>

Title: Regarding alleged unauthorized construction in Constitution Club of India.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं और कंस्टीट्यूशन के नाम से जुड़ा हुआ एक मुद्दा मैं आपके सामने रखना चाहता हूं।

महोदया, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो प्रॉपर्टी इस हाउस की है, जिसकी कस्टोडियन आप हैं, उस प्रॉपर्टी को कोई भी व्यक्ति किसी पर्टीक्युलर प्राईवेट क्लब के नाम से कैसे इस्तेमाल कर सकता है? मैं यह जानना चाहता हूं कि कंस्टीट्यूशन क्लब के नाम से जो जगह पार्लियामेंट हाउस की थी, वह किसी प्राईवेट क्लब के पास कैसे चली गयी? उसके अंदर कैसे पूरी अन-ऑथोराइज्ड कंस्ट्रक्शन हो गयी? वह सारी कंस्ट्रक्शन पी.डब्ल्यू.डी. ने की। वहां मैरिज हॉल खोल दिया गया। क्या कंस्टीट्यूशन क्लब के नाम से मैरिज हॉल खोला जा सकता है?...(व्यवधान) क्या कंस्टीट्यूशन क्लब के नाम से रात में शादी-ब्याह किए जा सकते हैं?...(व्यवधान) वहां पर टैक्स वालों के साथ लेना-देना होता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): आपका एजेंडा सही नहीं है।...(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : अध्यक्ष महोदया, वह प्रॉपर्टी इस हाउस की प्रॉपर्टी है।...(व्यवधान) लोक सभा के कितने मेम्बर उस क्लब के मेम्बर हैं?...(व्यवधान) लोक सभा के 5औ लोग भी उसके मेम्बर नहीं हैं।...(व्यवधान) जहां 25 रुपये मेम्बरशिप होती थी, वहां दो-दो लाख रुपये की मेम्बरशिप है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : यहां बैठ कर हम गरीब आदमी की बात करते हैं और वहां रईसज़ादे उस क्लब को चला रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : महोदया, मैं जानना चाहता हूं कि वह प्रॉपर्टी कैसे चली गयी?...(व्यवधान) ल्युटियन ज़ोन में इतनी बड़ी कंस्ट्रक्शन कैसे हुई?...(व्यवधान) वहां किसने इज़ाजत दी?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री जय प्रकाश अग्रवाल द्वारा उठाए गए विषय से

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद और

श्री पन्ना लाल पुनिया स्वयं को संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : क्यों आप लोग हर वक्त गुस्सा दिखाते हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वीरेन्द्र कुमार जी, बोलिए।

â€¦(व्यवधान)